पूर्वोत्तर के विकास और लोगों के अधिकार पर एफसीए संशोधनों का प्रभाव पर भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) में कार्यशाला आयोजित की गई

भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने 6 अक्टूबर, 2023 को हाइब्रिड मोड के माध्यम से पूर्वोत्तर के विकास और लोगों के अधिकार पर एफसीए संशोधनों का प्रभाव पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री कामाख्या प्रसाद तासा, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा), असम द्वारा संस्थान में एक संक्षिप्त उद्घाटन सत्र में किया गया।श्रीमती कंचन देवी, भा.व.से., उप महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, जो माननीय अतिथि के रूप में देहरादून से वर्चुअली शामिल हुईं, ने उद्घाटन सत्र को संबोधित कियाऔर बेहतर वन प्रबंधन के लिए कार्बन तटस्थता, गैर-वन क्षेत्रों में वृक्षारोपण, वन उत्पादकता में सुधार और मिट्टी के स्वास्थ्य के संबंध में वन संरक्षण पर भारत सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

प्रारंभ में, डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) ने भौतिक रूप से और वर्चुअल मोड में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री तासा ने क्षेत्र की प्राकृतिक वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा पर जोर दिया।उन्होंने वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग, प्राकृतिक आपदाओं आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी अपनी चिंता व्यक्त की और मानव जीवन तथा पर्यावरण पर ग्लोबल वार्मिंग एवं वन आवरण में कमी के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने पूर्वोत्तर में वन क्षेत्रों में गिरावट पर चिंता जताई और कृषि-वानिकी तथा किसी भी वनीकरण कार्यक्रम में किए गए वृक्षारोपण की उचित निगरानी पर जोर दिया।उन्होंने उम्मीद जताई कि इस अधिनियम के नवीनतम संशोधनों से क्षेत्र के लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इकोटूरिज्म, वृक्षारोपण वानिकी, कृषि वानिकी आदि के माध्यम से रोजगार सृजन के नए रास्ते खुलेंगे।उद्घाटन सत्र में संस्थान के वैज्ञानिक और अधिकारी, जोरहाट और कार्बी आंगलोंग के कार्य योजना अधिकारी एवं स्थानीय स्तर के एनजीओ सदस्य, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।कार्यशाला में भारत के विभिन्न हिस्सों से लगभग सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान कुल मिलाकर चार तकनीकी सत्र हुए। श्रीमती इम्तियानला आव, भा.व.से., डीडीजी, आरओ शिलांग, एमओईएफसीसी ने 'वन संरक्षण अधिनियम, 1980: एक अवलोकन' पर प्रस्तुति दी। श्री डब्ल्यू.आई. याटबन, भा.व.से., डीआइजी, आरओ शिलांग, एमओईएफसीसी ने 'वन संरक्षण अधिनियम, 2023 के संशोधन' पर बात की और वन संरक्षण और सुरक्षा से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए वन संरक्षण अधिनियम, 2003 में संशोधन की आवश्यकता और वानिकी मुद्दों पर प्रकाश डाला।डॉ. अभिनंदन सैकिया, सहायक प्रोफेसर, टीआईएसएस, गुवाहाटी ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के अधिकारों पर एफसीए 2023 के संशोधनों का प्रभाव पर अपना व्याख्यान दिया। इसी प्रकार, श्री के.बी. सिंह, भा.व.से., अतिरिक्तप्रधान मुख्य वन संरक्षक, पर्यावरण एवं वन विभाग, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश सरकार, ने पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर इस अधिनियम के प्रभाव के बारे में बात की।

संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने समापन टिप्पणी की और कहा कि एफसीए, 2023 में किए गए संशोधन और दिशानिर्देश वन विभाग के सामने आने वाली समस्याओं और पूर्वोत्तर राज्यों में लोगों के मुद्दों का समाधान करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन राजीब कुमार कलिता, प्रमुख, विस्तार प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट द्वारा दिया गया।

GLIMPSES OF THE WORKSHOP

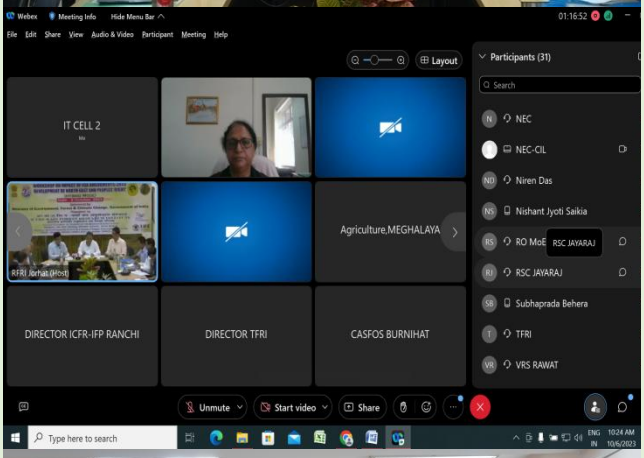

पूर्वोत्तर के विकास और लोगों के अधिकार पर एफसीए संशोधनों का प्रभाव पर भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) में कार्यशाला आयोजन

2023

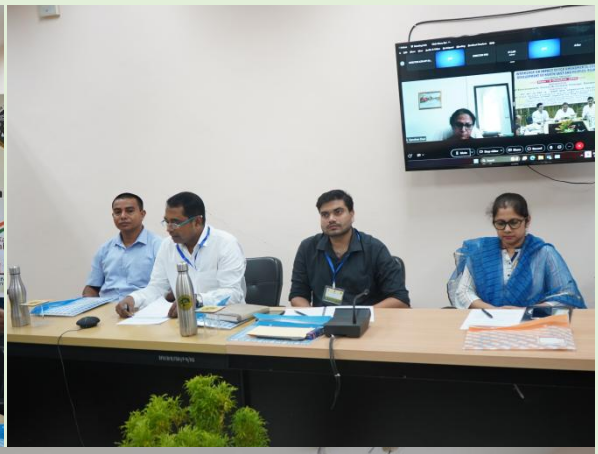

INAUGURAL SESSION

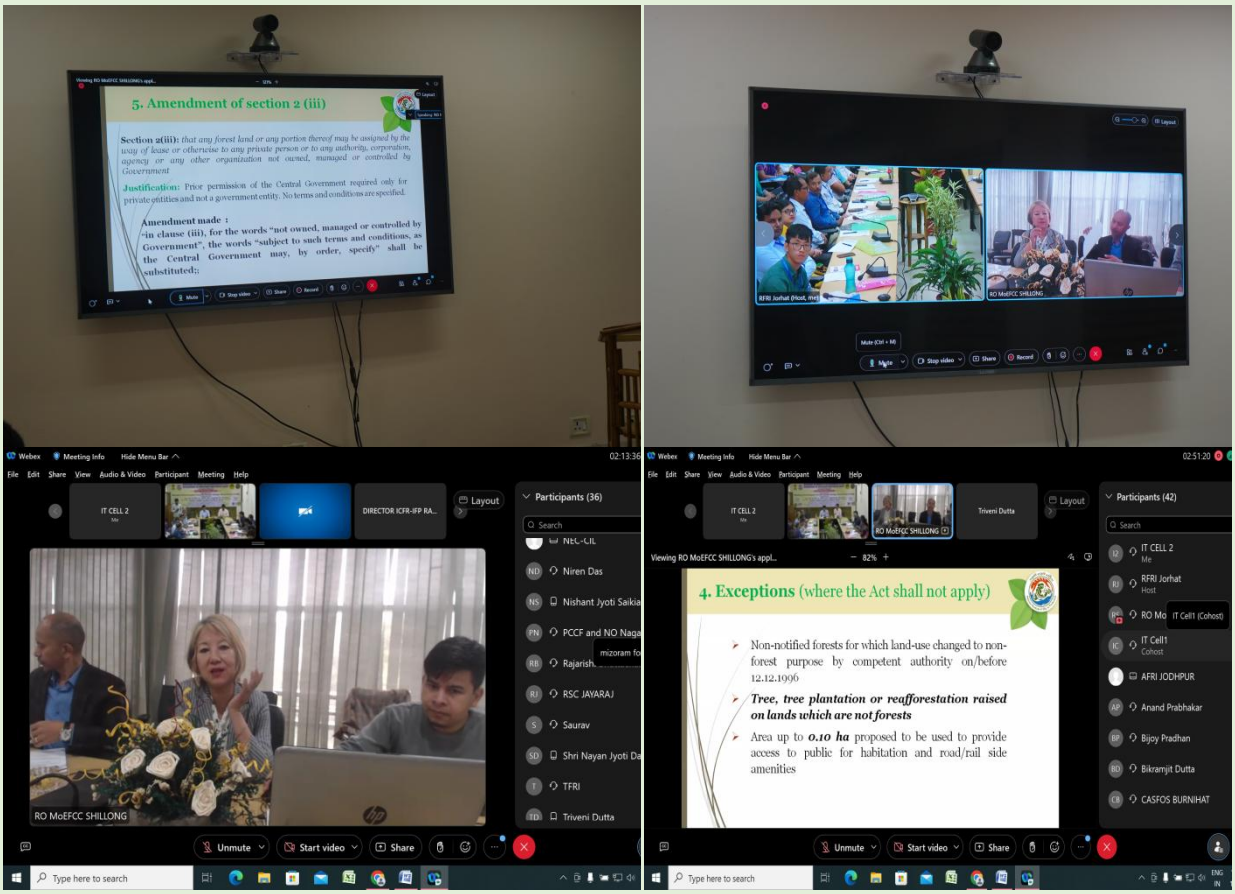

Presentations by Mrs Imtienla Ao and Shri W. I. Yatbon

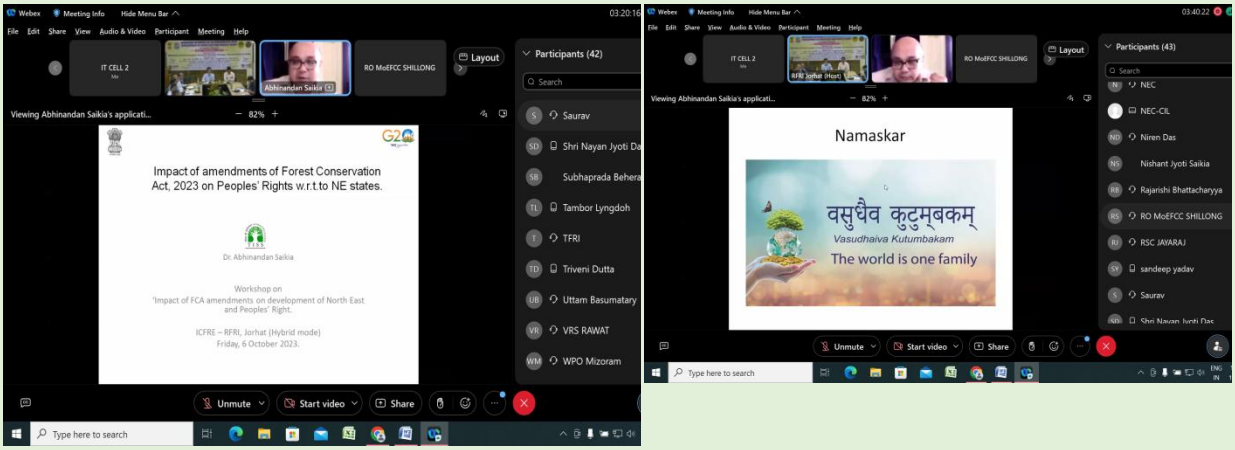

Presentation by Dr. Abhinandan Saikia

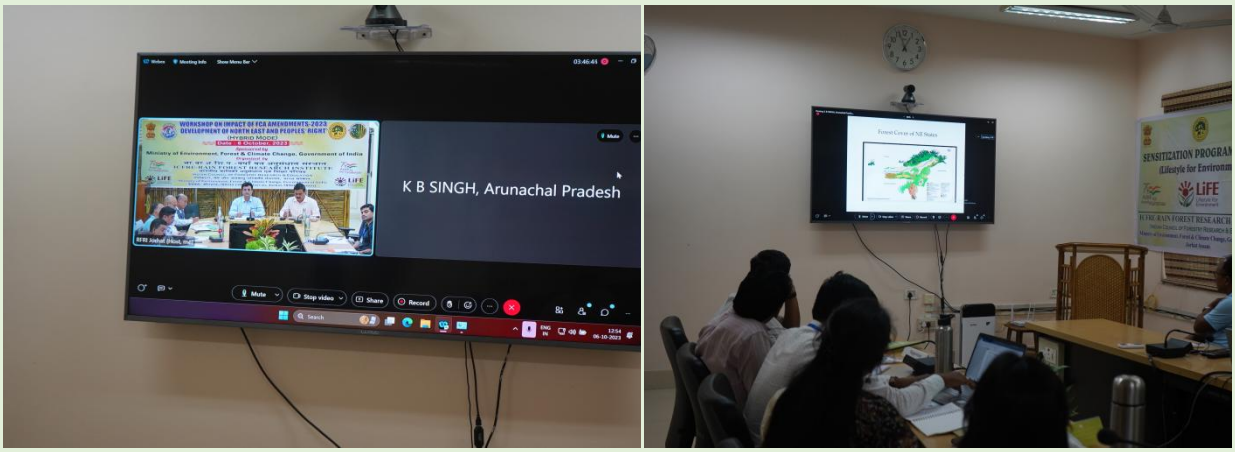

Presentation by Shri K. B. Singh

Concluding Session

पूर्वोत्तर के विकास और लोगों के अधिकार पर एफसीए संशोधनों का प्रभाव पर भा.वा.अ.शि.प.- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट (असम) में कार्यशाला आयोजन 2023

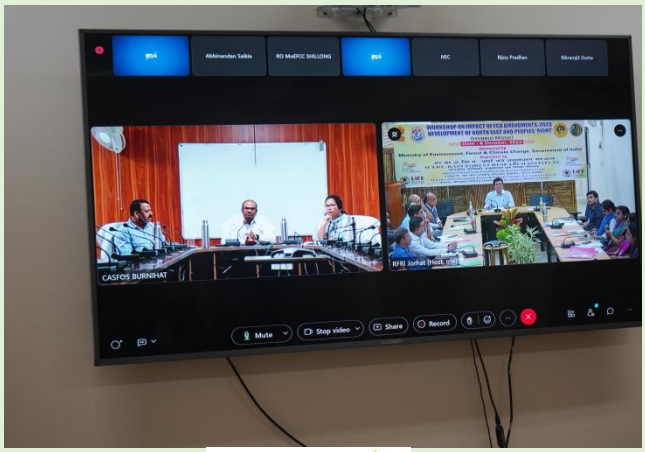

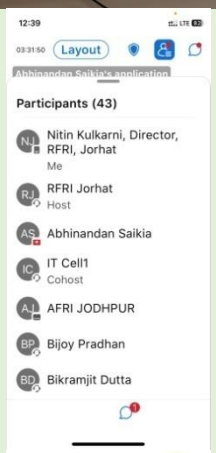

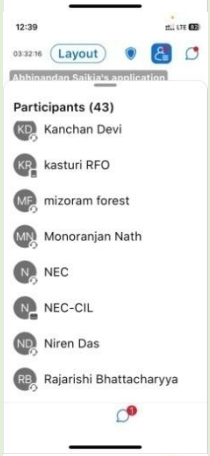

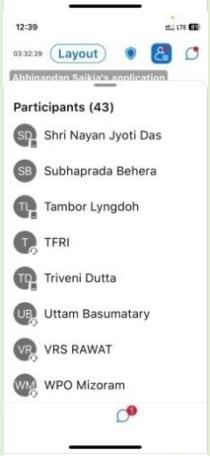

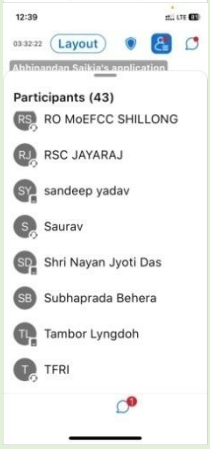

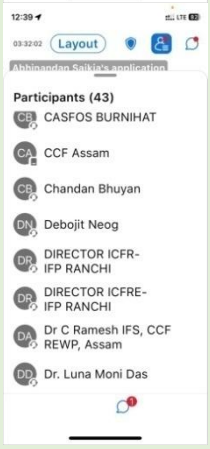

MEDIA COVERAGE

October 07, 2023

PRAG NEWS
দৈনিক জনমভূমি
NE NEWS

বর্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান, যোৰহাটত বন সংৰক্ষণ সংশোধন বিধেয়কৰ কৰ্মশালা

যোৰহাট ঃ ৬ অক্টোবৰ ঃ আজি বর্ষাৰণ্য গৱেষণা প্রতিষ্ঠান, যোৰহাট (অসম)ৰ উদ্যোগত বন সংৰক্ষণ সংশোধন বিধেয়কৰ উত্তৰ-পূব আৰু জনগোষ্ঠীৰ উন্নয়নৰ প্রভাৱৰ সম্পর্কত হাইব্রিড মুডৰ জৰিয়তে এখন কর্মশালাৰ আয়োজন কৰা হয়। সাংসদ কামাখ্যা প্রসাদ তাছাই কৰ্মশালাৰ শুভাৰম্ভ কৰে। কাঞ্চন দেৱীয়ে (আই চি এফ আৰ ই, ডেৰাডুনৰ উপ-সঞ্চালক প্রধান) সম্মানীয় অতিথি হিচাপে অনলাইন যোগে জড়িত হৈ উদ্বোধনী ব্যাখ্যা আগবঢ়ায়। পোনপ্রথমে বর্ষাৰণ্য গৱেষণা প্রতিষ্ঠান, যোৰহাটৰ সঞ্চালক ড° নীতিন কুলকার্নীয়ে শাৰীৰিকভাৱে আৰু অনলাইন যোগে উপস্থিত সকলো ব্যক্তি আৰু অংশগ্রহণকাৰীক আদৰণি জনায়। সাংসদ তাছাই অঞ্চলটোৰ প্রাকৃতিক উদ্ভিদ আৰু প্রাণীজগত সুৰক্ষাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। তেওঁ আশা কৰে যে এই বিধেয়কখনৰ শেহতীয়া সংশোধনে এই অঞ্চলৰ লোকসকলৰ জীৱনত ইতিবাচক প্রভাৱ পেলাব আৰু পৰিবেশ পর্যটন, বাগিচা বন, কৃষি, বনৌষধি আদিৰ জৰিয়তে নতুন কর্ম সংস্থাপনৰ পথ মুকলি হ'ব। শুভাৰম্ভণি পর্বত উপস্থিত থাকে প্রতিষ্ঠানটোৰ বিভিন্ন বিজ্ঞানী, যোৰহাট আৰু কার্বি আংলঙৰ কর্ম পৰিকল্পনা বিষয়া আৰু স্থানীয় পর্যায়ৰ বেচৰকাৰী সংস্থাৰ সদস্য, ৰাজনৈতিক আৰু সমাজকর্মী। কর্মশালাত ভাৰতৰ বিভিন্ন প্রান্তৰ পৰা প্রায় ১০০জন অংশগ্রহণকাৰীয়ে অংশগ্রহণ কৰে। কর্মশালাত মুঠ চাৰিটা কাৰিকৰী অধিৱেশন অনুষ্ঠিত হয়। শিলঙৰ বন বিষয়া ইমটিয়েনলা আও যে 'বন সংৰক্ষণ আইন ১৯৮০ ঃ এক আভাস'ৰ বিষয়ত উপস্থাপন আগবঢ়ায়। আন এজন বন বিষয়া ডব্লিউ আই য়াটবনয়ে 'বন সংৰক্ষণ বিধেয়ক ২০২৩ ৰ সংশোধনী'ৰ বিষয়ত বন সংৰক্ষণ আৰু সুৰক্ষাৰ সৈতে জড়িত সমস্যাসমূহ সমাধানৰ বাবে বন সংৰক্ষণ আইন ২০২৩ত সংশোধনীৰ প্রয়োজনীয়তাৰ সম্পর্কত আলোকপাত কৰে। গুৱাহাটীৰ টি এছৰ সহকাৰী অধ্যাপক ড° অভিনন্দন শইকীয়াই উত্তৰ-পূবৰ ৰাজ্যসমূহৰ প্রতি লক্ষ্য ৰাখি মানৰ অধিকাৰৰ ওপৰত এফ চি এ ২০২৩ৰ সংশোধনীৰ প্রভাৱৰ সম্পর্কে বক্তৃতা আগবঢ়ায়। একেদৰে অৰুণাচল প্রদেশৰ বন বিষয়া কে বি সিঙে উত্তৰ-পূবৰ ৰাজ্যসমূহৰ উন্নয়নত এই আইনৰ প্রভাৱৰ বিষয়ে বিৱৰি কয়। সামৰণী ব্যাখ্যা আগবঢ়ায় প্রতিষ্ঠানটোৰ সঞ্চালক ডাঃ নীতিন কুলকার্নীয়ে। শলাগৰ শৰাই আগবঢ়ায় প্রতিষ্ঠানটোৰ বিজ্ঞানী, সম্প্রসাৰণ বিভাগৰ মুৰব্বী ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই।

October 8, 20

The Assam Rising

জাতি, মাটি আৰু দেশৰ সেৱাত

দৈনন্দিন বাৰ্তা

VOL. XIV ISSUE NO. 64 Dainandin Barta ■ Guwahati, Sunday ■ 8 October 2023 ■ RNI REGD. NO. ASSASS/2010/39449

RNP/GH/248/2114-2017 ■ e-paper : www.dainandinbartagroup.in

Total Pages =12

বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান যোৰহাটত
সংৰক্ষণ আৰু সংবোধন বিধেয়কৰ কৰ্মশ

দৈনন্দিন বাৰ্তাৰ সেৱা, বাহনা, ৭ অক্টোবৰ ঃ ৬ অক্টোবৰৰ দিনা বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান যোৰহাটৰ (অসমৰ) উদ্যোগত বন সংৰক্ষণ সংবোধন বিধেয়কৰ বিষয়ত উত্তৰ-পূব উন্নয়ন আৰু জনগোষ্ঠীৰ প্ৰভাৱৰ ওপৰত হাইব্ৰিড মূদৰ জৰিয়তে এখন কৰ্মশালা সম্পন্ন হৈ যায়। ৰাজ্যসভাৰ সাংসদ কামাখ্যা প্ৰসাদ তাচাই উদ্বোধন কৰা কৰ্মশালাত আই চি এফ আৰ আই ডেৰাডুনৰ উপ সঞ্চালক প্ৰধান কাঞ্চন দেৱীয়ে উদ্বোধনী উনুষ্ঠানত অনলাইন যোগে মূল্যবান বক্তব্য আগবঢ়ায়। আৰম্ভণিতে বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠান যোৰহাটৰ সঞ্চালক ড° নীতিন কুলকানীয়ে শাৰীৰিকভাৱে উপস্থিত থাকি বিভিন্ন ৰাজ্যৰ পৰা অহা বিষয়াবৰ্গক আদৰণি জনায়। কৰ্মশালাখনি উদ্বোধন কৰি ৰাজ্যসভাৰ সাংসদ কামাখ্যা তাচাই অঞ্চলটো প্ৰাকৃতিক উদ্ভিদ, বনাঞ্চল আৰু বন্যপ্ৰাণী সুৰক্ষাৰ দিশত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। তেওঁ আৰু উল্লেখ কৰে যে এই বিধেয়কখনৰ শেহতীয়া সংশোধনে অঞ্চলবাসীৰ জীৱনত এক যোগাত্মক সহাৰি যোগাব। লগতে তেওঁ আৰু উল্লেখ কৰে যে পৰিৱেশ, বন কৃষি, বনৌষধি আদিৰ জৰিয়তে নতুন কৰ্ম সংস্থাপনৰ বাট মুকলি কৰিব। অনুষ্ঠানত বৰ্ষাৰণ্য গৱেষণা প্ৰতিষ্ঠানৰ বিজ্ঞানীসকল, যোৰহাট আৰু কাৰ্বিআংলং জিলাৰ কৰ্ম পৰিকল্পনা বিষয়া, স্থানীয় স্বেচ্ছাসেৱী সংগঠনৰ সদস্য, ৰাজনৈতিক আৰু সমাজকৰ্মী ব্যক্তিও উপস্থিত থাকে। কৰ্মশালাখনিত মুঠ চাৰিটা ভাগত অধিৱেশন সম্পন্ন হয়। শ্বিলঙৰ বন বিষয়া ইমটিয়েনলা আউ যে বন সংৰক্ষণ আইন ১৯৮০ ৰ এক চমু অবলোকন কৰে। আন এজন বন বিষয়া ডব্লিউ আই য়াটবনয়ে বন সংৰক্ষণ ২০২৩ৰ সংশোধনী বিধেয়কৰ বন সংৰক্ষণ আৰু সুৰক্ষাৰ বিষয়ত বহল ব্যাখ্যা কৰাৰ লগতে ২০২৩ৰ আই বিষয়তো অনলাইন যোগে বুজাই ক এছৰ সহকাৰী অধ্যাপক ড° অভিনন্দন পূবৰ ৰাজ্যসমূহৰ প্ৰতি লক্ষ ৰাখি ওপৰত এফ চি এ ৰ ২০২৩ ৰ সংশোধনী বক্তৃতা আগবঢ়ায়। ঠিক সেইদৰে অ বন বিষয়া কে বি সিঙে উত্তৰ-পূবৰ ৰাজ এই ৰাজ্যসমূহত পৰিব লগা প্ৰভাৱৰ বি প্ৰতিষ্ঠানৰ সঞ্চালক ড° নীতিন কুল সমৰণিত শুভেচ্ছামূলক বক্তব্য ৰখা জ্ঞাপন কৰে বিজ্ঞানী তথা সম্প্ৰসাৰ ৰাজীৱ কুমাৰ কলিতাই।

October 07,2023

DMJ
Splendid craft of antiquity
a divine collection for an auspicious beginning
Shop Nos.7/8 (Ground & 1st Floor) AKRAM'S BUSINESS H.B. ROAD, FANCY BAZAR, GHY
Ph.: 0361-2601385/1383
M: +91 60015 74724

गुवाहाटी और जोरहाट से प्रकाशित
पूर्वांचल प्रहरी
पूर्वोत्तर भारत का प्रथम हिंदी दैनिक
www.pp.glpublications.in
35
जोरहाट Postal Reg. No. RN P/GH-139/2022-24
रजि. नं. ASSHIN/2010/66229, वर्ष 35

जोरहाट वर्षा वन अनुसंधान केंद्र में कार्याशाला का आ

पूर्वांचल प्रहरी नगर संवाददाता

जोरहाट : जिले सटाई स्थित वर्षा वन अनुसंधान प्रतिष्ठान में वन संरक्षण संशोधन बिल पूर्वोत्तर और जनजाति के विकास पर इसका प्रभाव शीर्षक कार्यशाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा ने हिस्सा लेते हुए अपने संबोधन में पूर्वोत्तर के प्राकृतिक पेड़ पौधे और जीवों की सुरक्षा पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने विश्व में हो रहे ग्लोवल वार्मिंग, वनांचल ध्वंस, प्राकृतिक आपदा आदि विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने उम्मीद जताई की इस नए बील के जरिए पूर्वोत्तर के वन तथा अंचलवासियों पर इसका सकरात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्रम में ऑनलाइन के जरिए आईसीएफआरई देहरादुन के उप संचालक प्रधान कांचन देवी ने हिस्सा लिया और अपने संबोधन में उन्होंने वन संरक्षण को लेकर केंद्रीय सरकार द्वारा लिए गए प्रयासों के बारे में जानकारी दी। वहीं कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए वर्षावन अनुसंधान प्रतिष्ठान जोरहाट के संचालक डॉ. नीतिन कुलकारिणी ने भाषण प्रदान किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस बिल के पहलुओं पर चर्चा की। चार शरणों में आयोजित इस कार्यक्रम में शिलांग के वन अधिकारी इमती येनला आव ने वन संरक्षण कानून 1980 के बारे में चर्चा की। वहीं वन अधिकारी डब्लयूआई यादव ने वन संरक्षण विधेयक 2023 के संशोधन पर वक्तव्य रखा। कार्यक्रम में गुवाहाटी ईएस के सह अध्यापक डॉ. अभिनंदन सैकिया, अरुणाचल प्रदेश के वन अधिकारी केबी सिंह ने पूर्वोत्तर राज्य के विकास में इस कानून की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वहीं समापन समारं
संचालक डॉ. नीतिन
2023 में किए गए स
लाइन द्वारा वन वि
तथा उत्तर पूर्व के स
समस्या दूर करने व
सभा में प्रतिष्ठान
विस्तारन विभाग
कुंमार कलिता ने

85 years of service to the nation October 07,2023

The Assam Tribune

PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI & DIBRUGARH Pages 20 Price: ₹ 8.00

RN-1127/57TECH/GH – 103/2021-2023, VOL. 85, NO. 272 www.assamtribune.com /THEASSAMTRIBUNE /ASSAMTRIBUNEOFF /THEASSAMTRIBUNE_OFFICIAL GUWAHATI, SATURDAY, OCTOBER 7,

Workshop on impact of FCA amendments held at RFRI, Jorhat

STAFF CORRESPONDENT

JORHAT, Oct 6: The ICFRE-Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, at Sotai has organised a workshop through hybrid mode on the topic 'Impact of FCA Amendments on Development of North East and Peoples' Right'.

An RFRI official informed that the workshop, sponsored by the Union Ministry of Environment, Forest and Climate Change, was inaugurated by Rajya Sabha MP Kamakhya Prasad Tasa.

Tasa, in his inaugural address, laid emphasis on protecting natural flora and fauna of the region, and expressed concern over issues like deforestation, global warming, natural disasters, etc.

He also spoke about the impact of global warming and decrease in forest cover on human life and environment.

The MP hoped that the latest amendments to the Forest (Conservation) Act (FCA) will have a positive impact on the lives of the people of the region and open new avenues for employment generation through ecotourism, plantation forestry, agroforestry, etc.

Deputy Director General, ICFRE, Dehradun, Kanchan Devi, who joined virtually from Dehradun as the guest of honour at the inaugural session, highlighted the efforts of the Government of India for forest conservation with respect to carbon neutrality, plantation in non-forest areas, improvement in forest productivity and soil health for better forest management.

Earlier, the ICFRE-RFRI, Jorhat Director Dr Nitin Kulkarni, welcomed the dignitaries and participants. The inaugural session was physically attended by RFRI scientists and officers, working plan officers of Jorhat and Karbi Anglong, NGO members, political and social workers.

There were altogether four presentations in the workshop, which was attended by around 100 participants from across the country. Delivering the concluding remarks, Dr Nitin Kulkarni stated that the amendments and guidelines made in the FCA, 2023 will address the problems faced by the forest department and people in the region.

Rajib Kumar Kalita, Head, Extension Division, ICFRE-RFRI, Jorhat, offered the vote of thanks.

October 07, 2023

Eastern Chronicle
WINDOW TO THE EAST

SIKKIM FLOOD: CM announces Rs 4 lakh ex-gratia to kin of deceased people P 2
INDIAN-ORIGIN COUPLE, 2 children found dead inside home in US P 2
PROFESSOR MS Swaminathan - who revolutionized India's agri science P 8

ISSUE 183 | PUBLISHED SIMULTANEOUSLY FROM GUWAHATI ■ KOLKATA ■ SILCHAR ■ PAGES 10 ■ PRICE ₹ 6 ■ SATURDAY, OCTOBER 7, 2023

Page-05

Workshop on Impact of FCA Amendments on Development of North East and Peoples' Right held

Chronicle News Service

Jorhat: ICFRE-Rain Forest Research Institute, Jorhat (Assam) has organized a workshop on the Impact of FCA Amendments on the Development of the North East and Peoples' Rights held on 6th October 2023 through Hybrid Mode. The workshop was inaugurated by Kamakhya Prasad Tasa, Member of Parliament (Rajya Sabha), Assam physically in Inaugural Session at the Institute. Kanchan Devi, IFS, Deputy Director General, ICFRE, Dehradun who joined virtually from Dehradun as Guest of Honour addressed the inaugural session and highlighted the efforts of the Government of India on forest conservation with respect to carbon neutrality, plantation in non-forest areas, improvement in forest productivity and soil health for better forest management.

At the outset, Dr Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-RFRI, Jorhat welcomed all the dignitaries and participants present physically as well as in virtual mode. In his inaugural address, Tasa put emphasis on protecting the natural flora and fauna of the region. He also expressed his concern on the different important issues like deforestation, global warming, natural disasters, etc, and discussed on the impact of global warming and the decrease in forest cover in human life and the environment. He raised his concern about the decline in forest areas in the Northeast and emphasized on agro-forestry and proper monitoring of plantations done in any Afforestation program. He expected that the latest Amendments of this Act would have a positive impact on the lives of the people of the region and open new avenues for employment generation through ecotourism, plantation forestry, Agroforestry, etc.

The inaugural session was physically attended by Scientists and Officers of the Institute, Working Plan Officers of Jorhat and Karbi Anglong, local-level NGO Members; and Political and Social workers. The Workshop was attended by around a hundred participants from various parts of India. There were altogether four presentations during the Workshop. Imtienla Ao, IFS, DDG, RO Shillong, MoEF&CC delivered presentation on 'Forest Conservation Act, 1980: An Overview'. W.I. Yatbon, IFS, DIG, RO Shillong, MoEF& CC spoke on 'Amendments of Forest Conservation Act, 2023' and highlighted the forestry issues and need for amendments in Forest Conservation Act, 2003 to address problems related to forest conservation and protection. Dr. Abhinandan Saikia, Assistant Professor, TISS, Guwahati delivered his talk on the impact of amendments of FCA 2023 on Peoples' Rights w.r.t to NE states. Similarly, K.B. Singh, IFS, Addl. PCCF, Department of Environment & Forest, Govt. of Arunachal Pradesh, Itanagar spoke about the impact of this act on the development of North Eastern states.

Dr. Nitin Kulkarni, Director of the Institute made the concluding remarks and stated that the amendments and guidelines made in FCA, 2023 will address the problems faced by the forest department and issues of people in North Eastern states. A vote of thanks was delivered by Rajib Kumar Kalita, Head, Extension Division, ICFRE-RFRI, Jorhat.